संकलन–नगर निगम, रतलाम अखबार–नईदुनिया–पृष्ठ 04 दिनांक 5/11 2021

गुणावद में मलेनी नदी से पेयजल के लिए ही लिया जा सकेगा पानी

रतलाम (नईदुनिया प्रतिनिधि)। घरेलू प्रयोजन के लिए जल उपलब्ध कराने को लेकर ग्राम गुणावद स्थित मलेनी नदी पर निर्मित एनीकट क्रमांक एक व दो में संग्रहित जल को कलेक्टर गोपालचंद्र डाड ने पेयजल परिरक्षण अधिनियम 1986 एवं संशोधित 2002 की धारा 3 में संरक्षित घोषित किया है।

मालूम हो कि शहर के आसपास लाल पानी से प्रभावित ग्रामों की पेयजल व्यवस्था के स्थाई समाधान के लिए लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग द्वारा ग्राम गुणावद में मलेनी नदी पर जल निगम के माध्यम से करीब 30.77 करोड़ रुपये की लागत से फिल्टर प्लांट, इंटकवेल, पाइपलाइन डालने की योजना पर काम तेजी से किया जा रहा है। यहां निर्मित एनीकट एक व दो जलस्रोत पर आधारित 14 ग्रामों की समूह पेयजल योजना में अगली गर्मी में योजना के माध्यम से प्रभावित ग्रामों में पेयजल प्रदाय किया जाना है। इसके लिए संग्रहित जल का वर्षाकाल तक सुरक्षित रखा जाना आवश्यक है।

पानी की उपलब्धता व मांग पर नजर : एनिकट एक एवं दो की कुल जल भंडारण क्षमता 2.18 एमसीएम है। वाष्पीकरण से लगभग 30 प्रतिशत एवं अन्य कारणों से 10 प्रतिशत, इस प्रकार कुल 40 प्रतिशत जल जो कि 0.87 एमसीएम होता है की हानि के बाद पेयजल के लिए उपलब्ध जल की मात्रा 1.31 रहेगी। योजना के अंतर्गत वर्ष भर समूह पेयजल योजना से जल प्रदाय हेतु कुल 1.043 एमसीएम जल की आवश्यकता होगी। वर्तमान में दोनों एनीकट में मात्र 0.08 एमसीएम जल भंडारित है।

पूर्व नेता प्रतिपक्ष शेरानी को साफ करना पड़ी नाली, दरोगा निलंबित

रतलाम | स्वच्छता अभियान चलने के बावजूद दरोगा और सफाई कर्मचारियों की लापरवाही लगातार सामने आ रही है। ऐसी ही लापरवाही वार्ड 37 में देखने को मिली। पूर्व नेता प्रतिपक्ष यास्मीन शेरानी के घर वाले क्षेत्र की नालियां कई दिनों से जाम पड़ी थी। इसे लेकर शेरानी कई बार शिकायत कर चुकी थीं। ज्यादा परेशानी होने पर शनिवार को उन्हें खुद नालियों से कीचड़ व कचरा निकालना पड़ा। इसकी शिकायत शेरानी ने कमिश्नर को भी की। इस पर कार्रवाई करते हुए कमिश्नर सोमनाथ झारिया ने वार्ड दरोगा मोहसीन इब्राहिम को तत्काल निलंबित कर दिया। कमिश्नर झारिया ने बताया वार्डों की समुचित दायित्व साफ-सफाई का दायित्व जोन प्रभारी, दरोगा व सफाई कर्मचारियों का है। क्षेत्र में सफाई नहीं पाए जाने पर संबंधितों को निलंबित व सेवा से बर्खास्त किए जाने की कार्रवाई की जाएगी।

संकलन–नगर निगम, रतलाम अखबार– प्रसारण ––पृष्ठ 08....दिनांक 4/5/....2021

लॉक डाउन को जनता का समर्थन

सुबह से सड़कों पर पसरा सन्नाटा चारों ओर पुलिस तैनात

प्रसारण न्यूज़ • रतलाम

कोरोना के लगातार बढ़ते मामलों के बीच रतलाम में आज से दो दिनों का टोटल लॉक डाउन है। शुक्रवार रात 10 बजे से सोमवार सुबह 6 बजे तक लॉक डाउन जारी रहेगा। यहां जनता भी लॉक डाउन को पूरी तरह से समर्थन दे रही है। स्वास्थ्य सेवाओं को छोड़कर सभी प्रतिष्ठान पूरी तरह से बंद है।

चौराहों पर पुलिस फोर्स तैनात किया गया है, ताकि बेवजह घूम रहे लोगों पर कार्रवाई की जा सके। हालांकि पुलिस और प्रशासन को सख्ती करने की आवश्यकता नहीं पड़ रही। कलेक्टर गोपालचंद्र डाड और एसपी गौरव तिवारी बीते 7 दिनों से लगातार बाजारों में पैदल घूम-घूमकर लोगों को समझाइश देते नजर आए है। इस लॉक डाउन को लेकर जिला प्रशासन ने सख्त गाइड लाइन जारी की है। दरअसल, जिले में कोरोना के एक्टिव मरीजों की संख्या 600 के पार है। कुल संक्रमितों कि संख्या 5500 से ज्यादा है, जबकि जिले में कोविड से मौत का आंकड़ा 95 तक पहुंच गया हैं, जो प्रशासन के लिए चुनौती बना है, यही वजह है कि प्रशासन ने शनिवार और रविवार दो दिनों का कंप्लीट लॉक डाउन लगाया है।

शनिवार को कोविड की स्थिति का जायजा लेने भोपाल से आला अधिकारी भी रतलाम पहुंचे हैं। दीनदयाल नगर के ए-सेक्टर में कल निर्मित कंटेनमेंट झोन का जिलाधीश गोपालचंद डाड एवं एस पी गौरव तिवारी द्वारा आकस्मिक निरीक्षण किया गया।

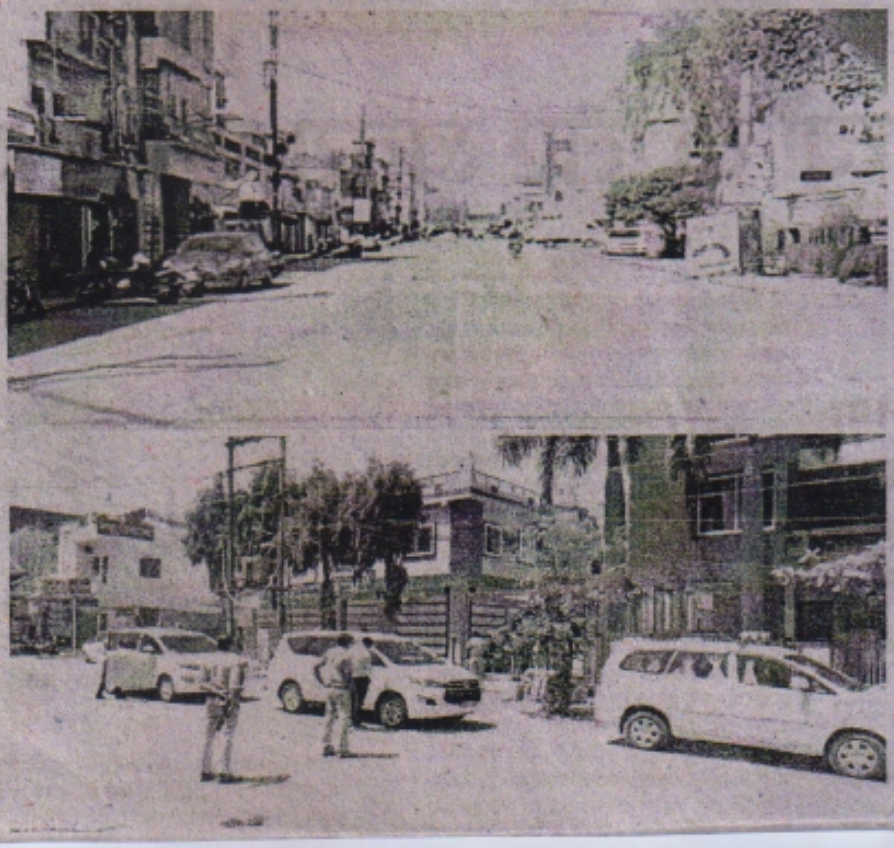

भोपाल से आए दल ने मेडिकल कॉलेज में जाकर लिया व्यवस्थाओं का जायजा

लॉकडाउन में सख्ती : बिना काम के घर से बाहर निकले लोगों के बनाए चालान

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

रतलाम. शहर में लगातार बढ़ते कोरोना संक्रमण को देखते हुए बीते रविवार के बाद इस शनिवार और रविवार को भी लॉकडाउन घोषित किया गया। लॉकडाउन का असर शनिवार को शहर की सड़कों पर साफ नजर आया। शहर के लोगों ने भी इसका समर्थन किया और अधिकांश लोग घरों में ही कैद रहे। कुछ लोग जो सड़कों पर घूमते नजर आए उन्हें पुलिस ने रोका और बाहर निकलने का कारण पूछा, इस दौरान जो लोग सही जवाब नहीं दे पाए और बेवजह सड़कों पर घूमते नजर आए पुलिस और प्रशासन की टीम ने उन पर चालानी कार्रवाई भी की।

वहीं दूसरी ओर मेडिकल कॉलेज में व्यवस्थाओं का जायजा लेने के लिए मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान द्वारा भेजे गए दल के अधिकारी भी पहुंचे और यह अधिकारियों के साथ बैठक लेकर मरीजों के साथ ही यहां होने वाली मौतों से जुड़ी जानकारी ली। इसके अतिरिक्त व्यवस्थाओं में सुधार से जुड़े दिशा निर्देश भी दिए जिससे कि मरीजों को बेहतर उपचार मिल सके और लगातार लग रहे आरोपों से मेडिकल कॉलेज को मुक्ति मिल सके।

आज भी लॉकडाउन

शहर में शुक्रवार की रात से लगे लॉकडाउन का शनिवार को व्यापक असर नजर। लोग घरों में ही परिवार के साथ रहे। शनिवार के बाद अब रविवार को भी संपूर्ण लॉकडाउन रहेगा। 1 दिन और लोगों को घरों के अंदर ही रहना होगा जोकि वर्तमान समय की जरूरत नहीं है। बाजार में बेवजह घूमने नहीं माने तो लगातार संक्रमण फैलता जाएगा और हालात बद से बदतर होते जाएंगे।

पूजा के लिए महिलाओं को नहीं छूट

शीतला सप्तमी के अवसर पर रविवार को महिलाओं को मंदिर जाकर पूजा करने की भी छूट नहीं दी गई है। रविवार को लॉकडाउन के चलते मंदिरों पर सिर्फ पुजारी साकेत ही ग्रुप से पूजा कर सकेंगे और महिलाएं घर पर ही पूजा करेंगी। वैसे भी सप्तमी की पूजा आधी रात से शुरू हो जाती है जो कि अगले दिन तक चलती रहती है। कोरोना के चलते मंदिरों में महिलाओं की भीड़ न बढ़े इसके लिए प्रशासन ने यह निर्णय लिया है।

चलता रहा चलानी कार्रवाई का दौर

बेवजह घूमने वाले लोगों पर पुलिस और प्रशासन के अमले द्वारा चालानी कार्रवाई भी की गई। इनके अतिरिक्त नगर निगम की टीम भी कई स्थानों पर सड़कों पर घूमने वाले लोगों को रोक पूछताछ करती दिखी और बेवजह घूमने वालों पर कार्रवाई भी की। सुबह से लेकर रात तक पुलिस ने शहर के विभिन्न चौराहों पर चालानी कार्रवाई करके राजस्व वसूला और लोगों को समझाइश दी कि वह बेवजह घरों से बाहर न निकलें।

मुख्य बाजार में पसरा रहा सन्नाटा

शहर के मुख्य बाजारों के साथ ही गली मोहल्लों की सड़कें भी शनिवार को सुनसान पड़ी नजर आईं। सड़कों पर गिनती के वाहनों की आवाजाही होती रही। दरअसल लॉकडाउन के दौरान सिर्फ शासकीय अधिकारियों और कर्मचारियों के साथ श्रमिकों को ही काम पर आने जाने के लिए छूट दी गई थी, उसके अतिरिक्त अन्य कोई को छूट नहीं थी। ठीक है ऐसा ही नजारा रविवार को भी लॉकडाउन होने से सड़कों पर नजर आ सकता है।

बस स्टैंड पर बसों की आवाजाही भी बंद

महू रोड बस स्टैंड सहित अन्य स्थानों से सुबह से दोपहर तक बसों का संचालन होता रहा लेकिन जिला परिवहन अधिकारी दीपक मांझी बस स्टैंड पहुंचे और बस ऑपरेटरों को परिचालन बंद करने के लिए निर्देशित किया। आरटीओ के निर्देश के बाद स्टैंड पर बसों की आवाजाही बंद होने शुरू हो गई थी लेकिन प्रशासन के इस आदेश से बसों के माध्यम से अन्य स्थानों पर जाने वाले यात्रियों को खासी परेशानियों का सामना करना पड़ा।

भोपाल से आए दल को सब कुछ लगा ठीक

मुख्यमंत्री के निर्देश पर भोपाल से रतलाम पहुंची

कार्रवाई : फ्लैग मार्च के दौरान दुकान में मिले ग्राहक, केस दर्ज

... घास बाजार स्थित

संकलन-नगर निगम, रतलाम अखबार-प्रसारण----पृष्ठ 09...दिनांक 4/04/...2021

गाइड लाइन का पालन कराने के लिए होगी सख्ती : मास्क नहीं पहनने वालों को ओपन जेल में रखा जाएगा, जुर्माना भी लगेगा, अस्पताल में बेड्स की जानकारी रोजाना दें

प्रशारण न्यूज • भोपाल

मध्य प्रदेश में कोरोना की दूसरी लहर की रफ्तार तेजी से बढ़ती जा रही है। इसे देखते हुए सरकार अब कोरोना गाइडलाइन का पालन कराने के लिए सख्ती करने की तैयारी कर रही है। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने शनिवार को कोरोना की समीक्षा बैठक में कहा, मास्क ना पहनने वालों को सीख देने के लिए कुछ समय के लिए ओपन जेल में रखा जाए। इसके साथ ही ऐसे लोगों पर जुर्माना भी लगाया जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कहा कि सोमवार या मंगलवार से लोगों को मास्क और सोशल डिस्टेंसिंग के प्रति जागरूक करने के लिए अभियान चलाया जाएगा। पहले दिन वह खुद भोपाल के किसी चौराहे पर लोगों को समझाएंगे।

उन्होंने कहा, हर व्यक्ति मास्क पहनकर ही बाहर निकलें, यह सुनिश्चित किया जाए। इसके लिए जनजागरण अभियान चलाएं और इसमें सभी वर्गों का सहयोग लें। बैठक के दौरान मुख्यमंत्री ने सभी जिलों में अस्पतालों में बेड की स्थिति की समीक्षा की। मुख्यमंत्री ने कहा, गणगौर त्योहार भी घर पर ही मनाएं। सार्वजनिक रूप से त्योहार मनाने और मेलों आदि की अनुमति नहीं होगी।

मुख्यमंत्री कहा कि जिस तरह से इंदौर में संक्रमितों की संख्या बढ़ी है, उस हिसाब से वहां 10 हजार बेड की व्यवस्था की जाए। प्रशासन ध्यान रखे कि निजी अस्पतालों में कोरोना मरीजों के इलाज के लिए शासन द्वारा निर्धारित फीस ली जाए। उन्होंने यह भी कहा कि सभी जिलों में बेड की उपलब्धता की जानकारी प्रतिदिन मीडिया और सोशल मीडिया के माध्यम से लोगों को उपलब्ध कराई जाए। मुख्यमंत्री ने ये भी कहा कि कलेक्टर अपने जिले में क्राइसिस मैनेजमेंट की बैठक लेकर संडे लॉकडाउन का फैसला ले सकते हैं। सीएम ने मुख्य सचिव को इस संबंध में निर्देश भी दिए हैं।

बेड की संख्या बढ़ाने निजी अस्पतालों से हो अनुबंध : मुख्यमंत्री ने स्पष्ट निर्देश दिए, प्रत्येक गरीब मरीज का निःशुल्क इलाज सुनिश्चित किया जाए। उन्हें आयुष्मान कार्ड के आधार पर मुफ्त चिकित्सा दें। साथ ही, आवश्यकतानुसार जिन निजी अस्पतालों में बेड्स खाली हैं, उनके साथ अनुबंध कर बेड्स की संख्या बढ़ाएं। उन्होंने कहा कि कोरोना के संबंध में गलत तथ्य प्रकाशित नहीं होने चाहिए, लेकिन सही तथ्य प्रकाशित होते हैं, तो तत्परता के साथ कार्रवाई की जाए।

मुख्यमंत्री खुद समझाएंगे मास्क का महत्व : मुख्यमंत्री ने कहा कि अभियान के पहले दिन भोपाल के किसी चौराहे पर वह खुद जाकर लोगों को जागरूक करेंगे। इसके अलावा मंत्री, विधायक और सांसद समेत अन्य जनप्रतिनिधि इस अभियान को अपने-अपने क्षेत्रों में चलाएंगे। एक दिन कोरोना वॉरियर्स, एक दिन धर्म गुरुओं और एक दिन कोरोना कमांड कंट्रोल रूम से जिले के अधिकारियों से सीएम चर्चा करेंगे।

रतलाम पहुंची भोपाल की टीम

बढ़ते कोरोना संक्रमण की रोकथाम और व्यवस्थाओं का लिया जायजा, दिए अधिकारियों को निर्देश

प्रशारण न्यूज • रतलाम

रतलाम समेत प्रदेश के 4 शहरों में संक्रमित मरीजों की बढ़ती संख्या को देखते हुए मुख्यमंत्री के निर्देश पर भोपाल से अधिकारियों की टीम शनिवार को रतलाम पहुंची। निरीक्षण करने पहुंचे चिकित्सा शिक्षा आयुक्त निशांत बरबड़े और अनुपम राजन ने मेडिकल कॉलेज, जिला अस्पताल और कंटेनमेंट एरिया की व्यवस्थाओं का जायजा लिया। जिला अस्पताल और मेडिकल कॉलेज स्थित फीवर क्लीनिक का भी निरीक्षण टीम ने किया। टीम ने स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों और स्थानीय प्रशासन के साथ हुई बैठक में कोरोना के संक्रमण की रोकथाम के लिए किए जा रहे कार्यों की समीक्षा की। मेडिकल कॉलेज के दौरे के बाद चिकित्सा शिक्षा आयुक्त निशांत बरबड़े ने बताया कि संक्रमण की रोकथाम की व्यवस्थाओं के मामले में रतलाम मेडिकल कॉलेज और स्थानीय प्रशासन बेहतर कार्य कर रहा है। निरीक्षण के दौरान जहां पर कोई कमी पाई गई है, तो उन्हें ठीक करने के निर्देश भी दिए गए हैं। गौरतलब है रतलाम में तेजी से फैल रहे संक्रमण के कारण जानने और रोकथाम के लिए की जा रही व्यवस्था की समीक्षा करने भोपाल से अधिकारियों की यह टीम आज सुबह रतलाम पहुंची थी। जहां मेडिकल कॉलेज में 4 घंटे तक चली मैराथन बैठक में संक्रमण तेजी से फैलने के कारणों और रोकथाम के उपायों पर चर्चा की गई।

तेज में सभी इंतजाम बेहतर होंगे

निशांत बरबड़े ने अधिकारियों से बैठक में कहा

लाकडाउन में दुकानें बंद, सड़कों पर घूमते रहे लोग

शनिवार को टोटल लाकडाउन में राम मंदिर क्षेत्र में आवाजाही करने वालों से पूछताछ की गई। ●नईदुनिया

रतलाम। शुक्रवार रात 10 बजे से शुरू हुए 56 घंटे के टोटल लाकडाउन में शनिवार को दिन भर बाजार बंद रहे। दवाओं की दुकानें खुली रहीं और दूध वितरण हुआ, लेकिन लोग अलग-अलग बहाने बनाकर सड़कों पर घूमते नजर आए।

प्रशासन ने वैक्सीन लगवाने के लिए आने-जाने की छूट दी है, इसका हवाला देकर लोग आवाजाही करते रहे। रविवार को लाकडाउन का दूसरा दिन है। सोमवार सुबह छह बजे से बाजार खुलेंगे।

मालूम हो कि संक्रमण की रफ्तार तेज होने के चलते राज्य शासन के निर्देश पर टोटल लाकडाउन किया गया है। शनिवार को बसों का संचालन हुआ, लेकिन यात्रियों की संख्या कम रही। शुक्रवार रात आदेश जारी होने के बाद शराब की दुकानें भी बंद रहीं। चौराहों पर पुलिस जवान लोगों से पूछताछ कर रोक-टोक करते रहे।

कालिका माता मंदिर क्षेत्र में दोपहिया वाहन चालक से पूछताछ करते हुए टीआइ किशोर पाटनवाल। ●नईदुनिया

शहर में बंद बाहर खुले रहे पेट्रोल पंप : प्रशासन ने पेट्रोल पंपों को भी लाकडाउन में बंद रखने के आदेश दिए हैं। शनिवार को शहर में स्थित प्रमुख पेट्रोल पंप बंद रहे जबकि बाहरी क्षेत्र में लगे पंप चालू रहने से वहां वाहनों की भीड़ लगी रही। आदेश का आधा-अधूरा पालन होने से पंप संचालकों में नाराजगी रही।

मत बरतों ढिलाई, मास्क पहनो भाई

नगर निगम ने अब ना कोई बहाना-मास्क है लगाना अभियान के तहत शहर में रांगोली के माध्यम से कोविड से बचाव का संदेश देते हुए लोगों को मास्क का वितरण कर उन्हें मास्क पहनने का तरीका समझाया

कोरोना वायरस दुनिया के सामने एक नई चुनौती है। कोरोना से बचाव के लिए मास्क भी एक कारगर उपाय है। प्रत्येक व्यक्ति अनिवार्य रुप से मास्क का उपयोग करे। यह बचाव का बहुत बड़ा अस्त्र है। मास्क के अलावा बार-बार साबुन से हाथ धोने या सेनेटाईज करने की आदत और दो गज की दूरी भी कोरोना से बचने में काफी मददगार है। इसे हर नागरिक जरूर अपनाए। कोविड की दूसरी लहर ज्यादा घातक साबित होती जा रही है, ऐसे में कोई भी मास्क पहनने में ढिलाई न बरते और मास्क का उपयोग पूरी ईमानदारी से करे।

उक्त बात नगर निगम आयुक्त सोमनाथ झारिया ने शुक्रवार को अब ना कोई बहाना-मास्क है लगाना अभियान की शुरुआत के दौरान कही। इस अभियान के तहत शुक्रवार को शहर में रांगोली के माध्यम से कोविड से बचाव का संदेश देते हुए लोगों को मास्क का वितरण कर उन्हें मास्क पहनने का तरीका समझाया गया।

कलेक्टर और नगर निगम प्रशासक गोपालचंद डाड और निगम आयुक्त सोमनाथ झारिया के निर्देश पर सफाई मित्र समूह ने शहर के सार्वजनिक स्थलों, पेट्रोल पंपों, पुलिस थाने, जिला अस्पताल, बाल चिकित्सालय व शहर के तमाम प्रमुख चौराहों पर रांगोली के माध्यम से लोगों को मास्क की उपयोगिता समझाई। इस दौरान समूह के सदस्यों ने बगैर मास्क के सड़कों, अपने मोहल्लें, कॉलोनियों में बगैर मास्क के घूमने वालों, मास्क को मुंह के नीचे लटका कर घूमने वाले लोगों को नगर निगम के माध्यम से मास्क भेंट किए और निवेदन किया कि एक मास्क आपका और आपके पूरे परिवार की जीवन बचा सकता है।

इस अभियान के दौरान आने-जाने वाले लोगों के हाथ सैनेटाईज भी किए जाकर उन्हें समझाईस दी गई कि घर से बाहर आने के पहले और घर पर लौटने के बाद हाथों की सफाई का विशेष ध्यान रखे और अगर बाजार से कोई सामान भी लाते है, तो भी उस सामग्री को भी धो कर उपयोग में ले। इसी के साथ स्वच्छ सर्वेक्षण-2021 के तहत स्वच्छता जागरुकता से भी लोगों को अवगत कराया गया कि अपने घरों व दुकानों से निकलने कचरा अलग-अलग डस्टबिन में रखे और इसके कचरा संग्रहण वाहन के अलग-अलग हिस्सों में ही डाले। किसी भी सूरत में घर व दुकानों का कचरा सार्वजनिक स्थलों पर नहीं फेंके, अगर कोई इस तरह का कृत्य करता है, तो उसके खिलाफ नियमानुसार वैधानिक कार्यवाही की जाएगी।

शनिवार को 2916 का वैक्सीनेशन किया गया

रतलाम। कोविड-19 वैक्सीनेशन के अंतर्गत शनिवार 3 अप्रैल को 2916 वैक्सीनेशन किए गए, इनमें पहला डोज 2790 तथा दूसरा डोस 126 को लगाया गया। स्वास्थ्य विभाग से प्राप्त जानकारी के अनुसार जिले के विभिन्न टीकाकरण केंद्रों पर टीकाकरण का कार्य किया गया। शनिवार को आयुष हॉस्पिटल पर 400 टीकाकरण, रतलाम ग्रामीण टीकाकरण केंद्र पर 944, रेलवे अस्पताल भाग 2 धरना रतलाम पर 264, आरोग्यम हॉस्पिटल रतलाम पर 119, पुराना कलेक्ट्रेट रतलाम केंद्र पर 206, सीएचसी ताल पर 116, सिविल हॉस्पिटल आलोट 172, स्वास्थ्य कल्याण टीकाकरण केंद्र 107, सिविल हॉस्पिटल जावरा और 267, डीआरपी लाइन रतलाम केंद्र पर 62, मेडिकल कॉलेज रतलाम पर 159, जीडी हॉस्पिटल रतलाम पर 40, श्रद्धा अस्पताल रतलाम पर 40 तथा रेलवे अस्पताल रतलाम पर 20 लोगों को टीकाकरण किया गया।

संकलन–नगर निगम, रतलाम अखबार–नईदुनिया पृष्ठ 07 दिनांक 5/5/ 2021

शहर में पाजिटिव रेट से मृत्यु दर ज्यादा, मेडिकल का

जागरूकता बढ़ाने के प्रयास, रतलाम आए चिकित्सा शिक्षा विभाग के आयुक्त

रतलाम (नईदुनिया प्रतिनिधि)। कोरोना संक्रमण में मरीजों के बेहतर उपचार व रोकथाम को लेकर प्रशासन अब सभी बिंदुओं पर लगातार कसावट करेगा। मुख्यमंत्री के निर्देश पर शनिवार को रतलाम आए चिकित्सा शिक्षा विभाग के आयुक्त निशांत बरबड़े ने मेडिकल कालेज में प्रशासनिक अधिकारियों व स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों की बैठक ली। सुबह करीब 11 बजे से शुरू हुई बैठक करीब पांच घंटे चली।

बैठक में कोरोना के नए मरीजों की संख्या, संक्रमण व मृत्यु दर सहित उपचार के इंतजाम, रिक्त बेड, आक्सीजन की आपूर्ति की समीक्षा की गई। बैठक में आयुक्त बरबड़े ने पाजिटिव मरीजों के मान से मृत्यु दर अधिक होने की बात कही। उन्होंने रोकथाम के लिए लगातार आंकड़ों की समीक्षा कर काम करने के निर्देश दिए। बैठक में कलेक्टर गोपालचंद्र डाड ने जिले की स्थिति से अवगत कराया।

अप्रैल व मई माह के लिए विशेष इंतजाम : चिकित्सा शिक्षा आयुक्त ने कोरोना के अप्रैल व मई माह में संभावित मरीजों की संख्या को ध्यान में रखते हुए सभी इंतजाम करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि ग्रामीण व शहरी क्षेत्रों में मरीजों की संख्या बढ़ने-घटने पर ध्यान दिया जाए।

जिला प्रभारी अधिकारी ने की मरीजों से बात

शनिवार को ही कोरोना के लिए जिला प्रभारी नियुक्त किए गए आइएएस अनुपम राजन ने भी शहर का दौरा किया। कंटेनमेंट क्षेत्रों में किए गए इंतजामों का जायजा लेने के बाद वे जनपद कार्यालय स्थित कंट्रोल रूम पहुंचे और वहां से होम आइसोलेट किए गए कोरोना मरीजों से फोन पर बात की। उन्होंने कंट्रोल रूम से दी जाने वाली जानकारी, उपचार को लेकर मरीजों से जानकारी ली।

2916 लोगों को लगा टीका

शनिवार को 2916 लोगों को टीके लगाए गए। इसमें पहला डोज 2790 तथा दूसरा डोज 126 को लगाया गया। स्वास्थ्य विभाग के अनुसार जिले के विभिन्न टीकाकरण केंद्रों पर टीकाकरण का कार्य किया गया। शनिवार को आयुष हास्पिटल पर 400, रतलाम ग्रामीण टीकाकरण केंद्र पर 944, रेलवे अस्पताल भाग 2 घटला पर 264, आरोग्यम हास्पिटल रतलाम पर 119, पुराना कलेक्ट्रेट केंद्र पर 206, सीएचसी ताल पर 116, सिविल हास्पिटल आलोट 172, खारवा कला केंद्र 107, सिविल हास्पिटल जावरा 267, डीआरपी लाइन पर 62, मेडिकल कालेज रतलाम पर 159, जीडी हास्पिटल रतलाम पर 40, श्रद्धा अस्पताल रतलाम पर 40 तथा रेलवे अस्पताल रतलाम पर 20 लोगों को टीका लगाया गया।

77 नए मरीज मिले, दो की मौत

शनिवार को 77 नए संक्रमित केस सामने आए और दो की मौत हुई। अब तक कुल 5757 मरीज सामने आ चुके हैं और 97 की मौत हो चुकी है। 4978 मरीजों को स्वस्थ होने पर डिस्चार्ज किया जा चुका है। वर्तमान में एक्टिव मरीजों की संख्या 682 है।

सिटी स्कैन की दर कम कराएगा प्रशासन

माजसेवी निशुल्क उपलब्ध कराएंगे इंजेक्शन

रतलाम। कोरोना उपचार में महंगी जांच व दवाओं को लेकर परेशान होने वाले जरूरतमंद मरीजों के लिए अब प्रशासन के साथ समाजसेवी भी आगे आए है। शनिवार को समाजसेवी लोगों ने आर्थिक रूप से कमजोर मरीजों के लिए इंजेक्शन का इंतजाम निशुल्क किए जाने की पहल की। पहले चरण में 300 इंजेक्शन की व्यवस्था की गई है। मेडिकल कालेज से उपचार की पर्ची पर यह व्यवस्था की जाएगी। इधर संक्रमण का स्तर पता करने के लिए किए जाने वाले सिटी स्कैन की दर कम करने के लिए प्रशासन भी सक्रिय हुआ है। अभी 3500 से 4000 रुपये तक लिए जा रहे हैं। इससे कमजोर वर्ग के मरीज प्रारंभिक जांच भी नहीं करा पाते है और संक्रमण फैल जाता है। इसके चलते पूर्व में भी प्रशासन ने दर कम कराई थी। अब मेडिकल कालेज में भर्ती मरीजों के लिए विशेष रूप से दर कम कराई जाएगी।

प्रशासन नोडल व्यवस्था बना दे

समाजसेवी महेंद्र गादिया, राजेंद्र जितलिया, पूर्व महापौर शैलेंद्र डागा आदि ने बताया कि मरीजों के लिए जरूरी इंजेक्शन की व्यवस्था कराने के लिए लोग तत्पर है। अभी भी दवाएं निशुल्क उपलब्ध करा रहे है। प्रशासन एक व्यवस्था बना दे तो पात्र जरूरतमंद को कम समय में राहत मिल जाएगी।

> कोरोना रोकथाम को लेकर सभी व्यवस्था की गई है। निशुल्क दवाओं के लिए सामाजिक स्तर पर कोई पहल करता है तो उसकी व्यवस्था बना देंगे। मेडिकल कालेज के मरीजों के लिए सिटी स्कैन की दर कम कराई जाएगी।
>
> –गोपालचंद्र डाड, कलेक्टर

टोटल लाकडाउन के चलते दो बत्ती–पावर हाउस रोड पर पसरा सन्नाटा। •नईदुनिया

संकलन–नगर निगम, रतलाम अखबार–दै. भास्कर–पृष्ठ 06 दिनांक 4/4/2021

लॉकडाउन में भी लापरवाही • कोरोना संक्रमण को लेकर अभी सतर्क नहीं हो रहे शहरवासी

1200 से ज्यादा को रोककर वापस लौटाया, नहीं मानने वाले 53 लोगों को चलित जेल

भास्कर संवाददाता | रतलाम

शुक्रवार रात 10 बजे से प्रारंभ हुए 56 घंटे के लॉकडाउन में से शनिवार रात 12 बजे तक 26 घंटे गुजर चुके हैं। यूं तो लॉकडाउन शांतिपूर्ण रहा लेकिन संक्रमण की भयावहता को नजरअंदाज कर शहरवासी लापरवाही बरतने से भी नहीं चूके। इसलिए लॉकडाउन को प्रभावी बनाने के लिए कमान सरकारी अमले को संभालना पड़ा। चौराहों पर तैनात पुलिसकर्मी दिनभर चेकिंग करते रहे।

इस दौरान अनेक ने पढ़ाई, इलाज, बस स्टैंड और रेलवे स्टेशन जाने का बहाना बनाकर बचने की कोशिश भी, लेकिन पुलिसकर्मियों के कागजात मांगने पर बगलें झांकने लगे। ऐसे ही करीब 1200 से ज्यादा लोगों को वापस लौटाया। वहीं दोपहर बाद सड़कों पर निकल आए 53 लोगों को चलित जेल भेजा गया। रविवार को भी संपूर्ण लॉकडाउन रहेगा, जो सोमवार सुबह 6 बजे खत्म होगा।

ऑटो को कैचर लगाकर खड़ा किया, कार की भी चेकिंग

शहरी क्षेत्र में लॉकडाउन था लेकिन ग्रामीण क्षेत्रों से आने वाले लोगों ने खूब परेशान किया। खास कर राम मंदिर, सैलाना बस स्टैंड, आजना बस स्टैंड चौराहा, सालाखेड़ी चौकी और सेजावता फंटे पर पुलिसकर्मियों को दिनभर चेकिंग करना पड़ी। इस दौरान कई लोगों ने हुज्जत भी की लेकिन सख्ती के आगे एक नहीं चली। सैलाना बस स्टैंड पर यातायात सूबेदार मोनिका सिंह ने सुबह तीन ऑटो को रोककर पहियों में कैचर लगा दिए। वहीं चौराहे से गुजरने वाले दो व चार पहिया वाहनों की चेकिंग की।

फिर नगर निगम परिसर में शुरू हुई पेड़ों की कटाई

इधर लॉकडाउन का फायदा उठाकर शनिवार को नगर निगम परिसर में लगे पेड़ों की कटाई फिर शुरू कर दी गई। इसकी जानकारी लगने पर पूर्व नेता प्रतिपक्ष यास्मीन शेरानी मौके पर पहुंचीं। जिम्मेदार अफसरों से बात कर काम रुकवाया। इससे पहले 25 फरवरी को भी परिसर में लगे गुलमोहर और अशोक के पेड़ों को काटा गया था। तभी भी कांग्रेस पदाधिकारियों के विरोध करने पर काम रोकना पड़ा था।

संकलन–नगर निगम, रतलाम अखबार राज एक्सप्रेस पृष्ठ 10 दिनांक 4/4/ 2021

लगातार बढ़ रहे कोरोना संक्रमण को रोकने प्रयास जारी

लॉकडाउन में दिखी सख्ती जमकर लगाई फटकार

रतलाम ■ राज न्यूज नेटवर्क

लगातार बढ़ते कोरोना संक्रमण को लेकर रतलाम में 2 दिन का लॉकडाउन लगा दिया गया है। जिसके तहत शनिवार को लॉकडाउन का मिला-जुला असर रहा। यहां पर सुबह प्रशासन द्वारा सख्ती बरती गई, लेकिन दोपहर में कुछ लोग सड़क पर नजर आए जिसको लेकर पुलिस एवं प्रशासन द्वारा सख्ती करते हुए फटाकर लगाई और हिदायत देकर छोड़ दिया गया। प्रशासन द्वारा कोरोना की वैक्सीन लगवाने वालों को राहत दी गई थी, इसलिए कुछ लोग वैक्सीन के लिए भी घर से निकले, जिन्हे पूछताछ करने के बाद जाने दिया। शनिवार को सुबह से पुलिस प्रशासन पूरी तरह से अलर्ट रहा, बेवजह लोगों की आवाजाही पर रोक रही। वही इमरजेंसी में छूट दी गई। जिले में लगातार बढ़ते कोरोना संक्रमण को देखते हुए कांईसेस कमेटी की बैठक में दो दिन का लॉकडाउन लगाने का निर्णय लिया गया था। जिसके तहत शनिवार और रविवार को संपूर्ण लोकडाउन की घोषणा की गई थी। इस दौरान शहर सीमा में दूध की घर पहुंच सेवा को छूट दी गई थी साथ ही शराब दुकानों को दो दिन के लिए बंद कर दिया गया।

संकलन–नगर निगम, रतलाम अखबार– पत्रिका –पृष्ठ 03 दिनांक 5/5/2021

नहीं हो रही सफाई : हाथ में झाड़ू लेकर मैदान में उतरीं शेरानी

पत्रिका सोशल वैल्यू

रतलाम. स्वच्छता सर्वेक्षण 2021 की दौड़ में तेजी से कई तरह के नवाचार कर रहे नगर निगम के स्वास्थ्य विभाग के काम करने के तरीके की पोल शनिवार को कांग्रेस की महिला नेत्री यास्मीन शेरानी ने खोल दी। चार दिन से उनके क्षेत्र में सफाईकर्मी नाली साफ करने नहीं आ रहे थे, शनिवार दोपहर शेरानी ने हाथ में झाडू लिया व नाली की गंदगी को साफ किया।

महिला कांग्रेस की राज्य कार्यकारी अध्यक्ष व नगर निगम में

बिती परिषद में नेता परिषद रही शेरानी ने दोपहर को करीब 1 बजे बाद अपने हाथ में झाडू लिया। इसके पूर्व चार दिन से वे लगातार नगर निगम के प्रभारी स्वास्थ्य अधिकारी एपीसिंह को फोन लगाकर स्वच्छता का असल फीडबैक दे रही थी। बताया जाता है कि प्रभारी स्वस्थ्य अधिकारी सिंह ने भरोसा भी दिया था कि उनके क्षेत्र में नाली की सफाई करवा दी जाएगी। जब चार दिन तक कोई नहीं आया तो शनिवार को सेवा करने वे स्वयं ही मैदान में उतर गई। करीब दो घंटे से अधिक समय तक शेरानी ने परिवार के सदस्य के साथ नाली को हाथ डालकर साफ किया। इस दौरान अंदर जमा गंदगी को बाहर निकाला।

बता दे कि शहर में गर्मी बढ़ते ही मच्छरों की भरमार हो गई है, लेकिन मांग करने के बाद भी शहर में दवा का छीड़काव नहीं हो रहा है। निगम से जुड़े अधिकारियों के मुताबिक दवा छिड़कने के लिए फिलहाल आदेश जारी नहीं किए गए हैं।

शहर में स्वच्छता अभियान के नाम पर बस कुछ मोहल्लों में काम हो रहा है। जब बार बार बोलने पर भी नाली साफ नहीं हुई तो स्वयं ही कर दी। शहर के हर व्यक्ति को यह संदेश है कि अपनी सुरक्षा व स्वच्छता स्वयं करें। **- यास्मीन शेरानी**, अध्यक्ष, महिला कांग्रेस

शहर में स्वच्छता अभियान चल रहा है व सफाई नियमित हो रही है। इसके बाद भी अगर कहीं समस्या है तो समाधान किया जाएगा।

- एपीसिंह, प्रभारी स्वास्थ्य अधिकारी नगर निगम

पत्रिका

पॉलीथिन का उपयोग करने व गंदगी करने पर जुर्माना

50 माईक्रॉन से कम मोटाई की पॉलीथिन प्रतिबंधित

रतलाम। शासन निर्देशानुसार नगरीय क्षेत्र रतलाम में 50 माईक्रॉन से कम मोटाई की पॉलीथीन व प्लास्टिक उपयोग प्रतिबंधित किये जाने के तहत कलेक्टर एवं प्रशासक नगर पालिक निगम रतलाम गोपालचन्द्र डांड व निगम आयुक्त सोमनाथ झारिया के निर्देशानुसार जुर्माने की कार्यवाही की जा रही है। 50 माईक्रॉन की पॉलीथीन का उपयोग करने व गंदगी करने पर शुद्ध दुध भण्डार, अन्नपूर्णा रेस्टोरेंट चौमुखी पुल पर 1000-1000, सांवरिया साड़ीज, कन्हैया स्वीट्स चौमुखी पुल, उजाला, सुपर गारमेंटस, पूर्णिमा साड़ी नौलाईपुरा, श्रेणिक पोरवाल कोर्ट तिराहा पर 500-500, अनुराग गारमेंट घांस बाजार पर 300, सब्बीन घांस बाजार पर 200 रुपये का जुर्माना किया गया साथ ही नगर के विभिन्न क्षेत्रों में बगैर मास्क वाले 15 व्यक्तियों पर 100-100 रूपये का जुर्माना किया गया।

जुर्माने की कार्यवाही ए.पी.सिंह, झोन प्रभारी किरण चौहान व पर्वत हाड़े, उप स्वच्छता निरीक्षक विराट मेहरा के अलावा मनोज टांक, पवन झांझोट, आकाश भिन्दे, राकेश ललावत व मनोज झांझोट आदि के द्वारा की गई। गंदगी व मलबा फैलाने, अतिक्रमण करने पर संबंधितों के विरूद्ध जुर्माना किये जाने का अभियान जारी रहेगा।

नोटिस के बदले जारी किया रेलवे ने नोटिस

रेलवे ने कहा : रेलवे की भूमि पर नगर निग्रम के वाहन कचरा लाकर डाल रहे हैं

पत्रिका न्यूज़ नेटवर्क
patrika.com

रतलाम. नगर निगम ने रेलवे की भूमि पर गंदगी पाए जाने पर नोटिस जारी किया था। 30 मार्च को जारी किए गए नोटिस के जवाब में अब रेलवे ने नगर निगम को नोटिस जारी कर दिया है। इसमे इस बात का उल्लेख है कि रेलवे की भूमि पर नगर निगम के वाहन सहित अन्य आकर कचरा डाल रहे है जिनको रोकने में निगम सक्षम नहीं है।

बता दे कि 30 मार्च को नगर निगम आयुक्त सोमनाथ झारिया ने शहर के निरीक्षण के दौरान जवाहर नगर स्थित रेलवे की भूमि पर गंदगी पाई थी। जब दारोगा को निलंबित करने की बात आई थी तब सामने आया था कि जिस भूमि पर गंदगी मिली है वो रेलवे की भूमि है व इसके रखरखाव का कार्य रेलवे करती है। हालांकि रेलवे द्वारा निगम के नोटिस को गंभीरता से लिया व स्वच्छता निरीक्षक को कारण बताओ सूचना पत्र जारी किया था। बताया जाता है कि नोटिस में इस बात का उल्लेख है कि नगर निगम के वाहन आकर रेलवे की भूमि पर कचरा डाल रहे है। गैर रेलवे के लोग भी आकर कचरा डाल रहे है, जिनको रोकने की जवाबदेही नगर निगम की है।

लगातार

पत्रिका
पत्रिका में प्रकाशित

रेलवे में पूर्व में सफाई कार्य के लिए 125 कर्मचारी थे, जो कम होकर अब करीब 35 ही रह गए हैं। इसकी एक बड़ी वजह भी रेलवे की भूमि पर गंदगी होने की बताई जा रही है। रेलवे के आला अधिकारियों के अनुसार रेलवे प्लेटफॉर्म पर तो निजी कंपनी के कर्मचारी स्वच्छता का कार्य कर रहे है, लेकिन रेलवे कॉलोनियों में कर्मचारियों की कमी से परेशानी आ रही है।

रेलवे की भूमि पर अन्य व्यक्ति आकर गंदगी करेंगे यह बेहतर नहीं है। नगर निगम को इस प्रकार के लोगों को रोकना चाहिए। नोटिस का नियम अनुसार जवाब दिया जा रहा है।

– जेके जयंत, जनसंपर्क अधिकारी रेलवे

शहर में किसी भी प्रकार की गंदगी बर्दाशत नहीं की जाएगी। अगर वे स्वच्छता करने में सक्षम नहीं है तो नगर निगम को अपनी भूमि दे, स्वच्छता कर दी जाएगी।

– सोमनाथ झारिया आयुक्त नगर निगम

पत्रिका

गुणावद में मलेनी नदी के पानी का होगा घरेलू उपयोग

पत्रिका न्यूज़ नेटवर्क
patrika.com

रतलाम. जिले के गुणावद में मलेनी नदी के जल को घरेलू उपयोग के लिए आरक्षित किया गया है। गर्मी की शुरुआत के साथ ही इसका जल अन्य किसी प्रयोजन के उपयोग के लिए निषिद्ध कर दिया गया है। इस संबंध में आदेश शनिवार को

कलेक्टर एवं जिला दंडाधिकारी गोपालचंद्र डाड ने जारी कि है। ग्राम गुणावद स्थित मलेनी नदी पर निर्मित एनीकट क्रमांक 1 एवं 2 में संग्रहित जल को संरक्षित घोषित किया है। आदेश में यह भी कहा गया है कि जिले के रतलाम विकासखंड के लाल पानी से प्रभावित ग्रामों की पेयजल व्यवस्था के स्थाई समाधान के लिए लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग द्वारा ग्राम गुणावद में मलेनी नदी पर निर्मित एनीकट 1 एवं 2 जल स्त्रोत पर आधारित 14 ग्रामों की समूह पेयजल योजना का क्रियान्वयन प्रगति पर होकर पूर्णता की ओर है। आगामी ग्रीष्मऋतु में योजना के माध्यम से प्रभावित ग्रामों में पेयजल प्रदाय किया जाना है। इसके लिए संग्रहित जल का वर्षाकाल तक 14 ग्रामो में पेयजल प्रदाय व्यवस्था के लिए सुरक्षित रखा जाना आवश्यक है।

2.18 एमसीएम है क्षमता

1 एवं 2 की कुल जल भंडारण क्षमता 2.18 एमसीएम है। वाष्पीकरण से लगभग 30 प्रतिशत एवं अन्य कारणों से 10 प्रतिशत, इस प्रकार कुल 40 प्रतिशत जल जो कि 0.87 एमसीएम होता है की हानि के बाद पेयजल के लिए उपलब्ध जल की मात्रा 1.31 रहेगी। योजना के अंतर्गत वर्ष भर समूह पेयजल योजना से जल प्रदाय के लिए कुल 1.043 एमसीएम जल की आवश्यकता होगी। वर्तमान में दोनों एनीकट में मात्र 0.08 एमसीएम जल भंडारित है।

संकलन–नगर निगम, रतलाम अखबार–राज एक्सप्रेस पृष्ठ 01 दिनांक 4/4/2021

रंगोली के माध्यम से लोगों को जागरुक किया

रतलाम ■ राज न्यूज नेटवर्क

देश, प्रदेश और शहर में में कोरोना की दूसरी लहर का प्रभाव बढ़ रहा है। ऐसे में 'दो गज की दूरी, मास्क भी जरूरी' स्लोगन को ही सच्चाई के साथ स्वीकार करना होगा।

इसी से हम स्वयं बचेंगे और समाज के लोगों को भी रोग से बचा सकेंगे। ऐसे में लोगों से अनुरोध किया जाता है कि अपने घर और आसपास के वातावरण को स्वच्छ रखने के साथ ही मास्क का उपयोग, दो गज की दूरी और हाथों को सैनेटाईज करे। कलेक्टर और नगर निगम प्रशासक गोपालचन्द्र डाड व निगम आयुक्त सोमनाथ झारिया के निर्देश पर शहर में स्वच्छ सर्वेक्षण-2021 के तहत जागरुकता कार्यक्रमों के दौरान रांगोली के माध्यम से नागरिकों को मॉस्क, दो गज की दूरी और सैनेटाईजर का महत्व समझाया गया है। श्री झारिया ने कहा कि हमारे प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री के दो गज की दूरी, मास्क है जरूरी के संदेश को पूरी तरह पालन कराने के

लिए नगर निगम प्रशासन सभी को जागरूक करने में सतत जुटा है। इसके लिए मेरे सहित सभी प्रशासनिक अधिकारी कार्यालय से लेकर अन्य सरकारी कामकाज के दौरान मास्क का प्रयोग अनिवार्य तौर पर कर रहे हैं। साथ ही दूसरों को भी इसके प्रयोग के लिए प्रेरित करते हैं।

उन्होंने नगर निगम के इस 'अब न कोई बहाना मास्क है लगाना' अभियान की शुरुवात को लेकर कहा कि मास्क पहनने की अनिवार्यता के साथ ही उसकी साफ-सफाई और पहनने के सही तरीके का पालन करना भी बहुत जरूरी है। इस मौके पर स्वास्थ्य अधिकारी एपी सिंह ने नागरिकों को मॉस्क का वितरण करते हुए इसे सही तरीके से पहनने का आव्हान भी किया। साथ ही समझाईश भी दी कि रंगपंचमी सहित अन्य त्यौहार अपनों के बीच ही मनाए, क्यूकि ये समय की मांग है और स्वयं के साथ ही दूसरों को भी कोविड संक्रमित होने से बचाए।

100 से अधिक स्थानों पर दिया गया संदेश: आयुक्त के निर्देश और स्वास्थ्य अधिकारी एपीसिंह के मार्गदर्शन में आज सफाई मित्र समूह की टीम ने नगर के गांधी नगर, काटजूनगर सहित 100 से ज्यादा स्थानों पर रांगोली के माध्यम से कोविड से बचाव का संदेश रांगोली के माध्यम से देते हुए आसपास के लोगों को संकल्प भी दिलाया कि वे अपनी और अपने परिवार के साथ ही शहरवासियों की स्वास्थ्य रक्षा के लिए कोविड से बचाव के साधनों को अपनाएगें।